5/4/23

जिलाधिकारी महोदय अध्यक्षता में दिनांक 31.03.2023 को ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल की समस्या का त्वरित समाधान किये जाने तथा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त

ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल की समस्या का त्वरित समाधान किये जाने तथा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन पाइप पेयजल योजनाओं की प्रगति की मासिक समीक्षा बैठक जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 31.03.2023 को अपरान्ह 4:30 बजे से भारत रत्न डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम सभागार कक्ष, कलेक्ट्रेट हमीरपुर में सम्पन्न हुई, जिसके कार्यवृत्त का अनुमोदन जिलाधिकारी महोदय द्वारा दिनांक–05.04.2023 को किया गया। समीक्षा बैठक मे निम्नलिखित अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहें:–

1. श्री राजेश कुमार यादव, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग), हमीरपुर।
2. श्री संदेश सिंह तोमर, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा।
3. श्री सगीर मोहम्मद, डी०पी०एम०, हमीरपुर।
4. श्री राहुल सिंह, सहायक अभियंता, जल संस्थान, हमीरपुर।
5. श्री विश्वालेन्द्र नाथ, अवर अभियंता, जल संस्थान, हमीरपुर।
6. श्री आशीष बाजपाई, सहायक अभियन्ता, एस०डब्लू०एस०एम०, हमीरपुर।
7. श्री रामा कृषन शुक्ल, सुपरविजन इंजीनियर, आरवी एसोसिएट्स (पी०एम०सी०), हमीरपुर।
8. श्री संतोष कुमार, सोशल एक्सपर्ट, आरवी एसोसिएट्स (पी०एम०सी०), हमीरपुर।
9. श्री सुनील भारद्वाज, जनरल मैनेजर, एस०पी०एम०एल०–जे०डब्लू०आई०एल०(जेवी), हमीरपुर।
10. श्री अभिषेक कुमार वर्मा, प्रोजेक्ट मैनेजर, पी०एन०सी०–एस०पी०एम०एल०(जेवी), हमीरपुर।

पत्यौरा डांडा ग्राम समूह पाइप पेयजल योजना

अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा द्वारा अवगत कराया गया कि पत्यौरा डांडा ग्राम समूह पेयजल (सतही स्त्रोत) योजना के माध्यम से कुल 148 राजस्व ग्राम लाभान्वित हैं, जिसमें विकास खण्ड मौदहा के 82 एवं विकास खण्ड सुमेरपुर के 66 राजस्व ग्रामों को आच्छादित किया जाना है। उपरोक्त परियोजना का घटकवार प्रगति निम्नवत है:–

इन्टेक वेल:–एजेंसी के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि इस योजना के तहत यमुना नदी, ग्राम पत्यौरा डांडा के पास इन्टेकवेल (45 एम०एल०डी०) का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इन्टेकवेल का लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। पम्प फ्लोर के स्लैब एव बीम के सरिया शटरिंग का कार्य प्रगति पर है, इन्टेकवेल के बाऊन्ड्रीवॉल का कार्य कार्य दो साइड से पूर्ण कर लिया गया है। फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा आवश्वासन दिया गया कि इंटेकवेल का कार्य 15 अप्रैल तक पूर्ण कर लिया जायेगा। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि इन्टेकवेल की

प्रगति कम है, इन्टेकवेल पर पर्याप्त मानवश्रम लगाकर तथा लक्ष्य निर्धारित कर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन एवं मानक के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य कराते हुए यथाशीघ्र पूर्ण करायें।

डब्लू0टी0पी0:—जे0डब्लू0आई0एल0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि डब्लू.टी.पी. (45 एम0एल0डी0) पत्थौरा डांडा का निर्माण कार्य किया जा रहा है, डब्लू.टी.पी. का सिविल कार्य 97 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में डब्लू.टी.पी. का फिनिशिंग कार्य, मीटर रूम और डेवलपमेन्ट के कार्य, मैकेनिकल व इलेक्ट्रिकल कार्य किये जा रहे हैं। डब्लू.टी.पी. के बाउन्ड्रीवाल का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि डब्लू.टी.पी. के विद्युत यांत्रिकी, डेवलपमेन्ट, मीटररूम, बाउन्ड्रीवाल अवशेष कार्यों को पर्याप्त मानवश्रम लगाते हुए यथाशीघ्र पूर्ण करायें।

सी0डब्लू0आर0:—जनरल मैनेजर, जे0डब्लू0आई0एल0 द्वारा बताया गया कि योजना में प्रस्तावित 10 नग सी0डब्लू0आर0 के 08 नग सी.डब्लू.आर. पर सिविल वर्क पूर्ण किया गया तथा 02 नग सी0डब्लू0आर0 पर कार्य प्रगति पर है। अवशेष सी0डब्लू0आर0 के स्लैब तक का कार्य माह अप्रैल तक पूर्ण कर लिया जायेगा तथा माह मई में पम्प हाउस का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। जिलाधिकारी महोदय द्वारा सी0डब्लू0आर0 की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया तथा कार्यदायी फर्म के प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि आवश्यक मैनपावर लगाते हुए स्वीकृत ड्राईंग एवं डिजाइन एवं गुणवत्ता मानकों के अनुसार सभी सी0डब्लू0आर0 के अवशेष कार्यों को यथाशीघ्र पूर्ण करायें।

अवर जलाशय:—सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा 46 नग अवर जलाशयों का निर्माण किया जाना है, जिसमें अभी तक मात्र 14 अवर जलाशयों तिलसरस, भमरौली, चौंदीकला, पासून, उड़दना, छिरका, बिगेहना, गुसियारी, कैथी, परोहरी, खदराडेरा, परेथा, कालीमाटी एवं सौखर के अवर जलाशयों में टॉप डोम पूर्ण किया गया है, 11 नग अवर जलाशयों का स्टेजिंग एवं बॉटम डोम का कार्य प्रगति पर है। 06 नग अवर जलाशयों पर 50 प्रतिशत स्टेजिंग का कार्य पूर्ण, 06 नग पर प्लिंथ लेवल तक का कार्य पूर्ण, 02 नग पर प्लिंथ बीम सरिया शटरिंग का कार्य प्रगति पर है। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा द्वारा बताया गया कि कार्यदायी फर्म द्वारा वर्तमान में केवल 16 नग अवर जलाशयों पर कार्य धीमी गति से किया जा रहा है तथा अवशेष अवर जलाशयों पर पर्याप्त मानवश्रम एवं टीमें उपलब्ध न होने के कारण कार्य बन्द पड़ा हुआ है। निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण किये जाने के लिए 350 श्रमिक प्रतिदिन लगाये जाने के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कार्यदायी फर्म द्वारा मात्र 90 मानवश्रम लगाया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अवर जलाशयों की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा जनरल मैनेजर जे. डब्लू.आई.एल. को निर्देशित किया गया कि पर्याप्त मानवश्रम लगाते हुए कार्ययोजना के अुनसार सभी अवशेष जलाशयों पर एक साथ तथा समांतर रूप से कार्य कराना सुनिश्चित करें।

राइजिंगमेन व वितरण प्रणाली:—सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित राइजिंगमेन 306.366 किमी0 के सापेक्ष 295 किमी0 पाईप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। योजना में प्रस्तावित वितरण प्रणाली 908.886 किमी0 के सापेक्ष 876.60 किमी0 पाईप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण किया गया है। इस माह कार्यदायी फर्म द्वारा 7.25 किमी0 राइजिंगमेन तथा 26.10 किमी0 वितरण प्रणाली बिछाने का कार्य पूर्ण किया गया है। योजना में पाइप बिछाने के दैनिक लक्ष्य 10.70 किमी0 वितरण प्रणाली पाइप बिछाने के सापेक्ष फर्म द्वारा मात्र 1.45 किमी0 पाइप बिछाने का कार्य पूर्ण किया जा रहा है तथा लगभग 480 श्रमिकों के सापेक्ष मात्र 96 श्रमिक लगाकर कार्य कराया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पाइप लाइन बिछाये जाने की प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा फर्म को निर्देशित किया गया कि पर्याप्त गैंग व मैनपावर लगाते हुए कार्य में अवशेष पाईप लाइन बिछाये जाने के कार्य यथाशीघ्र पूर्ण करायें।

FHTC कनेक्शन:—अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण), महोबा द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा योजना मे प्रस्तावित 47940 FHTC कनेक्शन के सापेक्ष अभी तक 41878 MDPE पाइप का कार्य पूर्ण किया गया है तथा अभी 6062 कनेक्शन किया जाना अवशेष है। फर्म द्वारा 72 राजस्व ग्रामों में एच0टी0सी0 का कार्य पूर्ण तथा 21 राजस्व ग्रामों में प्रगति पर है। कार्यदायी फर्म द्वारा इस माह मात्र 2283 MDPE पाइप का कार्य किया गया है तथा फर्म द्वारा मात्र 80 कनेक्शन प्रतिदिन किया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि निर्धारित लक्ष्य को गम्भीरता से लेते हुए पर्याप्त टीमों व मशीनरी को "राउण्ड द क्लाक" 24 घंटे दिन और रात्रिकालीन शिफ्टों में कार्यस्थलों पर लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप तथा कार्ययोजना के अनुसार निर्धारित दैनिक लक्ष्य को प्राप्त करें।

Scanned with OKEN Scanner

रोड रेस्टोरेशनः–सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा अभी तक मात्र 62 राजस्व ग्रामों गहतौली, जलाला, पत्यौरा डांडा, बरूआ, पारा रायपुरा, इचौली, इटारा पचखुरा खुर्द, भवनीया, बदनपुर, गौरी, मिहुना, अतरैया, धुन्धपुर, चन्दोखी, महमूदपुर, दरियापुर, कन्जौली, रिगना, नरायनपुर, नजरपुर, रंगौरा, बण्डा, कल्ला, धनपुरा, खण्डेहीजार, तिन्दुही किशोरीलाल, तिन्दुही किशुनचन्द, टोलामॉफ, परछछ, तिलसारस, बम्हरौली, खैरी, बुरही, लेवा, गहरौली खुर्द, पासून, बिहेरका, घटकना, भैस्टा, बहरेला, अछरेला, किशुनपुर, मसगॉव, धुन्धगॉव, असुई, खण्डेही, बिगेहना, चकदहा, गडेरियाखेड़ा, लारौंद, भभानी, गेहबरा, भवानी, चमरखन्ना, रतवा एवं गुरहा) का रोड रेस्टोरशन पूर्ण किया जा चुका है एवं 22 राजस्व ग्रामों में रोड–रेस्टोरेशन का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिया गया कि पाइप लेइंग के पश्चात यथाशीघ्र हाइड्रोटेस्टिंग तथा रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराया जाय, जिससे जनसामान्य को आवागमन मे परेशानी न हो। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा, सुपरविंजन इंजीनियर पी0एम0सी0 तथा डी0टी0एल0, टी0पी0आई0 को निर्देशित किया गया कि जिन राजस्व ग्रामों में रोड रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराया जा चुका है, सत्यापन कराकर फोटो सहित रिपोर्ट उपलब्ध करायें।

कमिशनिंगः–सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि मे0 SPML-JWIL(JV) द्वारा उपलब्ध कराये गये उक्त परियोजना के कमिशनिंग प्लान के अनुसार दिनांक–28.03.2023 तक 30 जोनों में शुद्ध जलापूर्ति हेतु टेस्टिंग एवं कमिशनिंग का कार्य प्रारम्भ किया जाना था, किन्तु अभी तक 03 जोनों यथा पत्यौरा, बड़ागॉव एवं बरूआ में कार्य प्रगति पर है, जिसमे से बड़ागॉव एवं बरूआ में टेस्टिंग एवं कमिशनिंग का कार्य बहुत ही धीमी गति से किया जा रहा है। पत्यौरा जोन से जुड़े हुए 03 राजस्व ग्रामों पत्यौरा, जलाला एवं गहतौली में जलापूर्ति प्रारम्भ की गयी थी जो वर्तमान में बन्द है तथा निर्बाध रूप से नही की जा रही है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्लान के अनुसार टेस्टिंग एवं कमिशनिंग न किये जाने पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा निर्देशित किया कि यथाशीघ्र उपलब्ध कराये गये प्लान के अनुसार टेस्टिंग एवं कमिशनिंग का कार्य प्रारम्भ करायें।

अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा द्वारा अवगत कराया गया कि पत्यौरा डांडा ग्र0स0पे0यो0 में 10 नग पम्प हाउस का निर्माण किया जाना है, जिसके सापेक्ष फर्म द्वारा मात्र 04 नग पम्प हाउस (एम.सी.डब्लू.आर., चॉदीकलां, भैंसमरी एवं पचखुरा) का कार्य पूर्ण किया गया है। कार्यदायी फर्म के जनरल मैनेजर द्वारा आश्वासन दिया गया कि 10 दिवस के अन्दर सभी पम्प हाउस का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। जिलाधिकारी महोदय द्वारा फर्म को आवश्यक मानवश्रम लगाकर पम्प हाउस का कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये।

अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में 08 नग मीटर रूम का निर्माण किया जाना है, जिसके सापेक्ष 06 मीटर रूम (डब्लू.टी.पी., मिहुना, चॉदीकलां, भवानी, भैंसमरी एवं पंचखुरा) तथा शेष पर स्ट्रक्चर वर्क तथा फिनिशिंग वर्क प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि पर्याप्त मानवश्रम लगाकर मीटररूम का निर्माण यथाशीघ्र पूर्ण करायें, जिससे विद्युत सुरक्षा निदेशालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया जा सके तथा विद्युत लाइन को उर्जीकृत किया जा सके।

हरौलीपुर ग्राम समूह सतही पाइप पेयजल योजना

अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा द्वारा अवगत कराया गया कि हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल (सतही स्त्रोत) योजना के माध्यम से कुरारा विकास खण्ड के 24 ग्राम पंचायत के 39 राजस्व ग्रामों को आच्छादित किया जाना है। हरौलीपुर सतही स्त्रोत योजनान्तर्गत 01 इन्टेकवेल (9 एम0एल0डी0), 01 डब्लू0टी0पी0 (8 एम0एल0डी0), 12 नग अवर जलाशय तथा 05 नग सी0डब्लू0आर0 का निर्माण किया जाना है।

इन्टेकवेलः– इस योजना के तहत यमुना नदी, ग्राम हरौलीपुर के पास इन्टेकवेल (9 एम0एल0डी0) का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। प्रोजेक्ट मैनेजर के द्वारा अवगत कराया गया कि इंटेकवेल का सिविल कार्य 90 प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है, फिनिशिंग एवं पेंटिंग का कार्य प्रगति पर है। 04 ग्रामों हरौलीपुर, उमराहट, मनकीकलां, एवं कनौटा में टेस्टिंग कमिशनिंग का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदायी फर्म को निर्देशित किया गया कि पर्याप्त मानव श्रम लगाकर अवशेष कार्यों को अनुमोदित ड्राइंग डिजाइन एवं गुणवत्तापूर्ण यथाशीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

डब्लू0टी0पी0:–प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि डब्लू0टी0पी0 8 एम0एल0डी0 का हरौलीपुर मे निर्माण किया जाना है, जिसका सिविल कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है तथा वर्तमान में मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल

Scanned with OKEN Scanner

कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया गया कि डब्लू0टी0पी0 का अवशेष सिविल कार्य एवं विद्युत यांत्रिकी के कार्य पर्याप्त मानवश्रम लगाकर शत–प्रतिशत अनुमोदित ड्राइंग डिजाइन एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप यथाशीघ्र पूर्ण करायें।

सी0डब्लू0आर0:– सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित 5 नग सी0डब्लू0आर0 के सापेक्ष सभी सी0डब्लू0आर0 (देवीगंज, रिठारी, पुरई, पचखुरा एवं हरौलीपुर) का सिविल कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा पेटिंग एवं फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है। योजना में कुल 06 मीटररूम का निर्माण किया जाना है, जिसके सापेक्ष सभी 06 नग मीटरूम का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदायी एजेंसी को निर्देशित किया गया कि सी0डब्लू0आर0 पर आवश्यक मैनपावर लगाकर स्वीकृत ड्राईंग एवं डिजाइन के अनुसार पम्प इस्टालेशन तथा अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करायें।

अवर जलाशय:–पी0एन0सी0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि सतही स्त्रोत योजना के तहत 12 अवर जलाशयों का निर्माण किया जाना है, जिसके सापेक्ष सभी 12 अवर जलाशयों का सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है तथा वर्तमान में 04 नग अवर जलाशयों पर पेटिंग का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया कि अवर जलाशयों पर पर्याप्त मैनपावर व मशीनरी लगाते हुए स्वीकृत ड्राइंग व डिजाइन तथा गुणवत्ता व मानको का पालन कराते हुए अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाय।

राइजिंगमेन एवं वितरण प्रणाली:–प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि योजना मे प्रस्तावित राईजिंगमेन 84.28 किमी0 पाइप बिछाने हेतु कार्य किया जाना है, जिसके सापेक्ष 83.79 किमी0 राइजिंगमेन बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। प्रस्तावित वितरण प्रणाली मे 184.372 किमी0 पाइप बिछाने हेतु कार्य किया जाना है, जिसके सापेक्ष 184.72 किमी0 पाइप बिछाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। फर्म द्वारा इस माह मात्र 0.75किमी0 राइजिंगमेन तथा 0.75 किमी0 वितरण प्रणाली पाइप बिछायी गयी है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया कि पर्याप्त मानवश्रम एवं गैंग बढ़ाते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन एवं मानक के अनुरूप पाइप बिछाने की कार्यवाही पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

FHTC कनेक्शन:–सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था द्वारा योजना मे प्रस्तावित 9636 FHTC कनेक्शन के सापेक्ष अभी तक मात्र 9255 MDPE पाइप का कार्य पूर्ण किया गया है। 32 राजस्व ग्रामों में एच0टी0सी0 का कार्य पूर्ण एवं 03 ग्रामों में प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पी.एन.सी. प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि पर्याप्त मानवश्रम व मशीनरी को "राउण्ड द क्लाक" 24 घंटे दिन और रात्रिकालीन शिफ्टों में परियोजना के कार्यस्थलों पर लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन एवं मानकों के अनुरूप यथाशीघ्र कार्य पूर्ण कराये।

हरौलीपुर ग्राम समूह भूजल पाइप पेयजल योजना

अधिशासी अभियन्ता, जल निगम(ग्रामीण), महोबा द्वारा अवगत कराया गया कि हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना (नलकूप आधारित) के माध्यम से विकास खण्ड राठ, गोहाण्ड, सरीला एवं मुस्करा के 168 ग्रामों को लाभान्वित किये जाना है। हरौलीपुर नलकूप आधारित योजनान्तर्गत 136 नग नलकूप, 118 नग अवर जलाशय, 1 नग सी0डब्लू0आर0 वितरण प्राणाली के लिए पाईप बिछाने का कार्य 977.42 किमी0, 103 नग स्टाफ क्वाटर, 14.23 किमी0 बाउन्ड्रीवाल का निर्माण किया जाना है। उपरोक्त परियोजना का घटकवार प्रगति निम्नवत है:–

नलकूप:– प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि नलकूप आधारित योजना में प्रस्तावित 123 नग नलकूप के सापेक्ष 121 नग नलकूपों मे लोवरिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है व 98 कार्यस्थलों पर समर्सिबल इन्स्टालेशन का कार्य किया जा चुका है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्य की धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा प्रोजेक्ट मैनेजर, पीएनसी को निर्देशित किया गया कि मैनपावर व मशीनरी लगाकर सभी नलकूपों पर एक साथ समान्तर रूप से कार्य करायें तथा विकसित किये गये नलकूपों में पम्प इंस्टॉलेशन की कार्यवाही करायें एवं सोलर पैनल की शत–प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए सोलर पैनल के अधिष्ठापन कार्य पूर्ण करायें।

अवर जलाशय:–प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि योजना में प्रस्तावित 118 नग अवर जलाशय के सापेक्ष 114 अवर जलाशयों पर कार्य प्रारम्भ किया गया था, जिसमें 47 नग अवर जलाशयों पर टॉप डोम का कार्य पूर्ण किया गया है। सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि वर्तमान में केवल 46 नग अवर जलाशय का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अवर जलाशयों के निर्माण की धीमी प्रगति पर असंतोष प्रकट

Scanned with OKEN Scanner

किया गया तथा पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि अवर जलाशयों पर मैनपावर व मशीनरी बढ़ाकर लगाते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप सभी जलाशयों पर एक साथ समान्तर रूप से गुणवत्तापूर्ण कार्य करायें तथा उपरोक्त अवर जलाशयों की प्रगति मे तेजी लायें।

वितरण प्रणालीः—सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि योजना में प्रस्तावित 975.28 किमी0 के सापेक्ष अभी तक 972.59 किमी0 पाईप बिछाने का कार्य पूर्ण हुआ है। कार्यदायी एजेंसी द्वारा इस माह मात्र 14.13 किमी0 पाईप बिछाने का कार्य किया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया कि वितरण प्रणाली पाइप बिछाने का कार्य स्वीकृत ड्राइंग डिजाईन एवं मानक व गुणवत्ता के अनुरूप यथाशीघ्र पूर्ण करायें।

FHTC कनेक्शनः— सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यदायी संस्था को 53504 FHTC कनेक्शन के निर्धारित लक्ष्य को ससमय पूर्ण किये जाने हेतु निर्देश दिये गये थे, जिसके सापेक्ष 52514 FHTC कनेक्शन के लिए HTC का कार्य किया गया है, 136 राजस्व ग्रामों में FHTC कनेक्शन हेतु MDPE पाइप का कार्य पूर्ण हो गया है तथा वर्तमान में 25 राजस्व ग्रामों में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा पी0एन0सी0 प्रतिनिधि को निर्देशित किया कि पर्याप्त मानवश्रम व मशीनरी को योजना के कार्यस्थलों पर लगाकर स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप कार्य यथाशीघ्र पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

कमिशनिंग—सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा अवगत कराया गया कि मे0 PNC(JV)-SPML द्वारा उपलब्ध कराये गये उक्त परियोजना के कमिशनिंग प्लान के अनुसार दिनांक—28.03.2023 तक हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना(सतही) के सभी 12 जोनों में तथा हरौलीपुर ग्राम समूह भूजल परियोजना के सभी 105 योजनाओं पर सीधे नलकूप के माध्यम से जलापूर्ति की जानी थी तथा अवर जलाशय के माध्यम से 80 योजनाओं में शुद्ध जलापूर्ति हेतु टेस्टिंग एवं कमिशनिंग का कार्य प्रारम्भ किया जाना था, किन्तु अभी तक सतही स्त्रोत आधारित में पर मात्र 02 जोनों (04 राजस्व ग्राम) तथा भूजल आधारित योजना में 88 राजस्व ग्रामों में टेस्टिंग एवं कमिशनिंग का कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा प्लान के अनुसार टेस्टिंग एवं कमिशनिंग न किये जाने पर असंतोष व्यक्त किया गया तथा निर्देशित किया कि उपलब्ध कराये गये प्लान के अनुसार यथाशीघ्र टेस्टिंग एवं कमिशनिंग का कार्य प्रारम्भ करायें।

रोड रेस्टोरेशनः—सुपरविजन इंजीनियर पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि कार्यदायी एजेंसी द्वारा अभी तक मात्र 56 राजस्व ग्रामों का रोड रेस्टोरेशन किया जा चुका है एवं 33 राजस्व ग्रामों में कार्य प्रगति पर है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा रोड रेस्टोरेशन कार्य की अत्यन्त धीमी प्रगति पर खेद प्रकट किया गया कि कुल 175 राजस्व ग्रामों में एच.टी.सी. कार्य पूर्ण किया गया है, जिसके सापेक्ष अभी तक मात्र 56 राजस्व ग्रामों में ही रोड रेस्टोरेशन का कार्य किया गया है, जो कार्यदायी एजेंसी की कार्य के प्रति लापरवाही को प्रदर्शित करता है, जबकि रोड रेस्टोरेशन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किये जाने हेतु लगातार निर्देशित किया जा रहा है। कार्यदायी एजेंसी को निर्देशित किया गया कि जिन ग्रामों में पाइप बिछाने एवं हाइड्रोटेस्टिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है, पर्याप्त टीमें लगाकर तत्काल रोड रेस्टोरेशन कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

अनापत्ति प्रमाण पत्रः— सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 द्वारा बताया गया कि एन.एच.ए.आई. से प्रोविजनल अनापत्ति प्रमाण पत्र दिनांक—22.07.2022 को जारी हो गया है। यूपीडा पी.आई.यू.—3 राठ से अनापत्ति महाप्रबंधक यूपीडा, लखनऊ द्वारा प्रोविजनल अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है तथा बैंक गारन्टी 1981122 रू0— एवं लाइसेंस फीस 291083 रू0— जमा कर दिया गया है। यूपीडा, बांदा से अनापत्ति हेतु पत्र यूपीडा के द्वारा दिनांक—17.01.2023 को जारी कर दिया गया है। वन क्षेत्र हमीरपुर तथा वन क्षेत्र महोबा से अनापत्ति प्राप्त करने हेतु आवश्यक धनराशि एडोंक कैम्पा, नई दिल्ली के खाते में जमा कर दिया गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) महोबा तथा सुपरविजन इंजीनियर, पी0एम0सी0 सम्बन्धित विभाग से समन्वय स्थापित कर अनापत्ति शीघ्र प्राप्त करने हेतु प्रभावी पैरवी कराना सुनिश्चित करें।

विद्युत संयोजनः—श्री आशीष बाजपाई, सहायक अभियन्ता, एस.डब्लू.एस.एम. द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना (भूजल) के अन्तर्गत कुल 68 नग विद्युत संयोजन के सापेक्ष 52 विद्युत संयोजन तथा पत्यौरा डांडा ग्राम समूह पेयजल योजना के अन्तर्गत सभी 10 विद्युत संयोजनों का कार्य लगभग पूर्ण कर लिया गया है, जिन्हें विद्युत सुरक्षा निदेशालय की लिखित अनुमति प्राप्त होने के पश्चात ऊर्जीकृत् किया जाना

Scanned with OKEN Scanner

है। जे0डब्लू0आई0एल0 प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि विद्युत सुरक्षा निदेशालय से सभी 10 नग विद्युत संयोजनों हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए आवेदन किया जा चुका है। हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना सतही स्त्रोत के अन्तर्गत 06 नग विद्युत कनेक्शन के सापेक्ष सभी पर विद्युत पोल अधिष्ठापन तथा विद्युत तार लगाने का कार्य पूर्ण हो चुका है, विद्युत सुरक्षा निदेशालय से इन्टेकवेल तथा डब्लू0टी0पी0 हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र 13.02.2023 को प्राप्त हो गया है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा जनरल मैनेजर, जे0डब्लू0आई0एल0 तथा प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0 को निर्देशित किया कि किये गये सभी विद्युत कनेक्शन को उर्जीकृत किये जाने हेतु विद्युत सुरक्षा निदेशालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र यथाशीघ्र प्राप्त कर अधिशासी अभियन्ता वि0/यां0, जल निगम ग्रामीण, चित्रकूट को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

आई0एस0ए0:– अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) महोबा द्वारा बताया गया कि जनपद में कार्यरत कुछ आई0एस0ए0 द्वारा आवंटित क्लस्टर ग्रामों में प्रथम फेज की गतिविधियां पूर्ण कर ली हैं। सोशल एक्सपर्ट पी0एम0सी0 हमीरपुर द्वारा कुछ आई0एस0ए0 के द्वारा प्रथम फेज में किये गये कार्यों से सम्बन्धित फोटोग्राफस् सहित विवरण पुस्तिका प्रस्तुत की गयी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा को निर्देशित किया गया कि तहसीलदार, नायब तहसीलदार, जल निगम (ग्रामीण) के अभियन्ताओं तथा पी0एम0सी0 की संयुक्त टीम का गठन कराते हुए आई0एस0ए0 द्वारा किये गये कार्यों का सत्यापन करा लिया जाय।

अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) द्वारा निर्देशित किया गया कि मैनपावर के अभाव में कार्यदायी संस्थाएं कार्ययोजना के अनुसार निर्धारित दैनिक लक्ष्य को प्राप्त नही कर पा रही हैं, कार्यदायी फर्म पर्याप्त मानवश्रम लगाकर योजना से समस्त अवयवों पर समांतर रूप से कार्य करायें तथा निर्धारित दैनिक लक्ष्य को प्राप्त करें। उपलब्ध कराये गये प्लान के अनुसार कमिशनिंग प्रारम्भ करायें, ग्रामों में पेयजल की टेस्टिंग/ट्रायल शुरू कराने को बाद बन्द कर दिया जाता है, जो उचित नहीं है, निर्बाध रूप से पेयजल की आपूर्ति सुनिश्ति करें तथा 'हर घर जल' ग्राम घोषित करायें। पत्यौरा डांडा एवं हरौलीपुर ग्राम समूह पेयजल योजना में रोड–रेस्टोरेशन का कार्य धीमी गति से किया जा रहा है, जिससे ग्राम वासियों से लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। दिनांक–25.03.2023 को श्री मनोहर लाल जी (मन्नू कोरी), माo राज्य मंत्री श्रम एवं सेवायोजन विभाग, श्रम एवं सेवायोजन द्वारा रोड–रेस्टोरेशन के सम्बन्ध में ग्रामीणों द्वारा शिकायतें प्राप्त हुयी हैं कि सड़के 08–06 माह से खुदी पड़ी हैं तथा पाइप लाइन बिछाने हेतु खोदी गई सड़कों का जो रेस्टोरेशन कार्य कराया जा रहा है वह पूर्व की भांति गुणवत्तापूर्ण नहीं है। निर्देशित किया गया कि रोड–रेस्टोरेशन का कार्य पर्याप्त टीमें लगाकर प्राथमिकता के आधार पर तथा गुणवत्तापूर्ण करायें, रेस्टोरेशन का कार्य वर्षा ऋतु के पूर्व शत–प्रतिशत कार्य पूर्ण करा लिया जायं। पाइप लेइंग, एच.टी.सी. मीटर रूप, पम्प इन्स्टालेशन, सोलर पैनल इन्स्टालेशन का कार्य पर्याप्त मानवश्रम लगाकर मानकों के अनुरूप पूर्ण करायें।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्यदायी संस्थाओ को निर्देशित किया गया कि मानवश्रम एवं आवश्यक मशीनरी बढ़ाकर समय से प्रस्तावित कार्य गुणवत्तापूर्वक पूर्ण कराय। प्रयास किया जाय कि जिस गॉव में कार्य प्रारम्भ किया जाय, उस गॉव में शत–प्रतिशत कनेक्शन देते हुए हर घर जल करने के उपरान्त ही टीम उस गॉव को छोड़ें तथा यह भी सुनिश्चित कर लिया जाय कि कार्य सम्पादन में जो सड़क/सी.सी. रोड/गलियां छतिग्रस्त हो गयी हों, उनके पुर्ननिर्माण का कार्य पूर्व की स्थिति के अनुसार सम्पन्न हो गया है। अधिशासी अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण, पी0एम0सी0, टी0पी0आई0 को निर्देशित किया गया कि सत्यापन करा लिया जाय कि राजस्व ग्राम के सभी परिवारों में गृह नल संयोजन दिये जाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा राजस्व ग्राम के सभी मोहल्ला/गली/वार्ड में रोड–रेस्टोरेशन/पाइप लेइंग का कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। अधिशासी अभियन्ता/सहायक अभियन्ता/अवर अभियन्ता, जल निगम ग्रामीण, महोबा टी0पी0आई0 तथा पी0एम0सी0 व्यक्तिगत रूचि लेते हुए कार्य मानक के अनुरूप, गुणवत्तापूर्ण तथा स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन के अनुरूप गुणवत्ता पूर्ण कार्य कराना सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाय।

ग्रीष्म ऋतु में पेयजल समस्या के त्वरित समाधान

ग्रीष्म ऋतु में पेयजल समस्या के सम्बन्ध में श्री सगीर मोहम्मद, डी0पी0एम0, हमीरपुर द्वारा बताया गया कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की समस्या के त्वरित समाधान हेतु जनपद स्तरीय कन्ट्रोल रूम की स्थापना पूर्व में ही विकास भवन में कर ली गई है, कन्ट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराया

Scanned with OKEN Scanner

जाता है। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण), महोबा को निर्देशित किया गया कन्ट्रोल रूम में अपने विभाग से कर्मचारियों की ड्यूटी शिफ्टों में लगाना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की समस्या के त्वरित समाधान हेतु जनपद में उपलब्ध पेयजल स्त्रोतों(इण्डिया मार्क–II हैण्डपम्पों/पाइप पेयजल योजनाओं) को सुचारू रूप से संचालित कराते हुए स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करायी जाय। ऋतु में पेयजल की समस्या के त्वरित समाधान हेतु जनपद स्तरीय सम्बन्धित प्रशासनिक मशीनरी को 24 घंटे 'एलर्ट' पर रखा जाय, ताकि पेयजल की समस्या के समाधान हेतु मशीनरी सकिय रूप से कार्यवाही की जा सके। जनपद स्तर के नोडल अधिकारी का मोबाईल नं0 एवं कन्ट्रोल रूम के लैण्डलाइन नं0/मोबाईल न0 अनिवार्य रूप से तहसीलों/विकास खण्डों/ग्राम पंचायतों आदि में प्रसारित कराया जाय। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी खराब हैंण्पम्प तत्काल ठीक करा दिये जायें, पर्याप्त संख्या में प्याऊ की व्यवस्था कराई जाय तथा सभी सरकारी एवं सार्वजनिक परिसरों यथा–कलेक्ट्रेट, तहसील, थाना, अस्पताल इत्यादि में घड़े/प्याऊ रखवाकर अथवा अन्य व्यवस्था कराकर शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाय तथा हैण्डपम्प के साथ चरही भी बनवाई जाय तथा यह भी सुनिश्चित करें कि घड़े/प्याऊ की व्यवस्था जनसामान्य को सुलभ रूप में उपलब्ध हो सके। उपरोक्त व्यवस्थाओं के माध्यम से जिन लोगों के घरों तक पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पा रही हो, उनके घरों तक पूर्व वर्षों की भांति टैंकर के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराया जाय। वांछित टैंकरों की आवश्यकता का आंकलन कर लिया जाय एवं उपलब्ध टैंकरों को ड्राइवरों के साथ लिंक कर सूचीबद्ध कर लिया जाय।

अन्त में सभी को धन्यवाद देते हुए जिलाधिकारी महोदय की अनुमति से बैठक समाप्त की गयी।

Seen

DM.

05/4/23

(राजेश कुमार यादव)
अपर जिलाधिकारी
(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग)
o/c हमीरपुर।

कार्यालय जिलाधिकारी, हमीरपुर

(An ISO 9001:2015 Certified Collectorate)

पत्र संख्या– 06 /न0गंगे–पेय0परि0-स0बै0(2022–23) दिनांक-05 अप्रैल, 2023

प्रतिलिपिः–निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतुः–

1. जिलाधिकारी महोदय को सादर अवलोकनार्थ।
2. अधिशासी निदेशक महोदय, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।(ई–मेल)
3. मुख्य अभियन्ता, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ। (ई–मेल द्वारा)
4. मुख्य विकास अधिकारी, हमीरपुर।
5. जिला विकास अधिकारी, हमीरपुर।
6. जिला पंचायत राज अधिकारी
7. अधीक्षण अभियन्ता, एस0डब्लू0एस0एम0, लखनऊ।(ई–मेल द्वारा)
8. अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), महोबा को इस निर्देश के साथ कि सत्त पर्यवेक्षण करते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन व गुणवत्ता मानकों का अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।(ई–मेल द्वारा)
9. अधिशासी अभियन्ता वि0/यॉ0, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), चित्रकूट/जल सस्थान, हमीरपुर।
10. टीम लीडर पी0एम0सी0(आर0वी0 एसोसिएट्स)/टीम लीडर, टी0पी0आई0(सेन्सिस टेक लि0) हमीरपुर को इस निर्देश के साथ कि सत्त पर्यवेक्षण करते हुए स्वीकृत ड्राइंग डिजाइन व गुणवत्ता मानकों को लागू कराना सुनिश्चित करें।
11. प्रोजेक्ट मैनेजर, पी0एन0सी0, हमीरपुर/ जनरल मैनेजर, जे0डब्लू0आई0एल0, हमीरपुर को अनुपालनार्थ।
12. स्टेट हेड, पी0एन0सी0/जे0डब्लू0आई0एल0। (ई–मेल द्वारा)

अपर जिलाधिकारी 05/04/2023
(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग)
o/c हमीरपुर।

Scanned with OKEN Scanner